पिडियाट्रिक नेफोलोजी वार्ड एवं डायलिसिस यूनिट, जे.के.लोन अस्पताल, जयपुर

डायलिसिस यूनिट	पिडियाट्रिक नेफोलोजी वार्ड

4. ROBOTIC SURGERY

- इस महाविद्यालय के सर्जरी के क्षेत्र के दो विभाग जनरल सर्जरी एवं यूरोलोजी विभाग प्रदेश ही नहीं देश के सर्वश्रेष्ठ सर्जरी विभागों में अग्रणी है। वर्तमान में देश के कई प्रमुख चिकित्सा संस्थाओं के इन विभागों में सर्जरी रोबोटिक सर्जरी मशीन के माध्यम से की जा रही है। परन्तु यह सुविधा इस महाविद्यालय में नहीं है।
- इस रोबोटिक सर्जरी की नई तकनीकी से मिनिमल इनवेजिव सर्जरीयों एवं बेहद जटिल सर्जरीयों बहुत ही अच्छे तरीके से की जाती है।
- इस सर्जरी में संकमण की संभवना भी कम रहती है एवं मरीज की रिकवरी भी बेहद जल्दी होती है। इससे चिकित्सालय एवं मरीज दोनो के कीमती समय की बचत होती है।

रोबोटिक सर्जरी

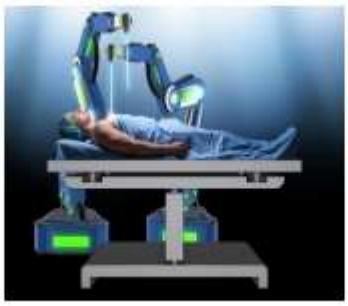

5. एस.एम.एस. फिटनेश सेन्टर

- बीमारी और मृत्यु दर दोनो के मामले में कोविड महामारी ने हमारे समाज पर भारी असर डाला। अब भी कई रोगी एवं परिवार म्यूकोर्मिकोसिस एवं कोविड दोनो बीमारियों के भय से उबर नहीं पाये है। इसी तरह से इन दोनो बीमारियों का इस संस्थान के चिकित्सकों पर भी भारी असर हुआ है। साथ ही साथ बढ़तें हुये रोगी भार का असर भी चिकित्सकों की मानसिकता पर हुआ है साथ ही इसके दबाव से चिकित्सकों की दक्षता में भी कमी आई है। इतने लम्बे समय तक काम करने के कारण बहुत से चिकित्सक अवसाद में एवं चिन्ताग्रस्त हैं। इसी दौरान तीन चिकित्सकों ने आत्महत्या की कोशिश भी की है।
- उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुये मानव समाज के हित में चिकत्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की सेहत एवं मानसिकता का ध्यान रखना भी आवश्यक हो गया है।
- इसी पहलू को ध्यान मे रखकर इस महाविद्यालय में एक फिटनेश सेन्टर बनाये जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है साथ ही महाविद्यालय के सभी खेल मैदानों का उन्नयन एवं सुदृढीकरण किया जाना प्रस्तावित है।